

# 万条成语词典

# 万条成语词典

主 编

颜 毓 书

编 纂 者

|     |     |     |
|-----|-----|-----|
| 马又宸 | 王 中 | 王可文 |
| 李乐渔 | 武汉斌 | 崔嘉凯 |
| 虞新民 | 蔺同翔 | 魏德海 |



责任编辑：吴海林

封面设计：张乙迪

## 万条成语词典

Wantiao Chengyu Cidian

主 编

颜毓书

编 纂 者

马又宸 王 中 王可文

李乐渔 武汉斌 崔嘉凯

虞新民 蔺同翔 魏德海

---

黑 龙 江 人 民 出 版 社 出 版

(哈尔滨市道里森林街42号)

黑 龙 江 省 新 华 书 店 发 行

黑 龙 江 新 华 印 刷 厂 制 版

北 京 新 华 印 刷 厂 印 刷

开本 787×1092 毫米 1/32·印张 38·插页 6·字数 1,285,000

1986年2月第1版

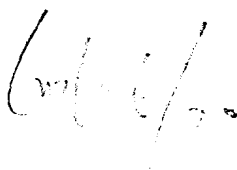
1986年2月第1次印刷

印数 1—80,000

---

统一书号：17093·53

定价：9.90 元



## 前 言

成语，一般指习用的古语，多为定型词组或短句，以四字组成者居多。本书所收录的以常见的成语为主，也有少量的熟语。

本书是为中等以上文化程度的读者编纂的成语词典。在编写中力求做到广收词目，释义简明、通俗，对所录成语穷本溯源，博采书证。在全稿完成后，又反复认真核校，努力提高本书的质量。但是由于我们的学识水平所限，书中肯定会有疏漏、差错和失当之处，敬请读者指正。

**编 者**

1984年9月

## 凡 例

一、本词典共收常用成语 10.202 条，其中包括少量熟语。

二、本词典正文按词目第一个字的笔画多少依次编排，笔画相同者按起笔笔形一、丨、丿、丶、フ为序。

三、词目第一个字相同者，字数少的在前，字数多的在后，字数相同者，再看第二字的笔画，余下类推。

四、每个词条，均以注音、释义、引文先后顺序排列。

五、词目一律用汉语拼音字母分注字音，不按连写规则标注。

六、每条成语的释义主要讲解字面意义或本意，并涉及其用法、引申等等。

七、引文多采自古代重要典籍，或较有影响的历代稗史、诗词、戏文、小说、笔记等等。

八、本书还附有音序索引，便于读者检查。

## 词 目 表

## 一 画

|      |   |
|------|---|
| 一丁不识 | 1 |
| 一了百了 | 1 |
| 一了百当 | 1 |
| 一人之交 | 1 |
| 一人之略 | 1 |
| 一人之掌 | 1 |
| 一人当千 | 1 |
| 一人当百 | 1 |
| 一人私言 | 1 |
| 一刀两断 | 1 |
| 一力当先 | 2 |
| 一力吹嘘 | 2 |
| 一力担当 | 2 |
| 一千一方 | 2 |
| 一千二净 | 2 |
| 一夕九运 | 2 |
| 一夕九徙 | 2 |
| 一夕三叹 | 2 |
| 一夕三迁 | 2 |
| 一夕千念 | 2 |
| 一口吸尽 | 2 |
| 一口两匙 | 2 |
| 一之谓甚 | 3 |
| 一上一下 | 3 |
| 一己之私 | 3 |
| 一飞冲天 | 3 |
| 一门二关 | 3 |
| 一门节钺 | 3 |
| 一门同气 | 3 |

|      |   |
|------|---|
| 一门亲事 | 3 |
| 一门数灶 | 3 |
| 一士之智 | 3 |
| 一士谔谔 | 3 |
| 一马当先 | 4 |
| 一寸丹心 | 4 |
| 一寸赤心 | 4 |
| 一五一十 | 4 |
| 一反一复 | 4 |
| 一切之寿 | 4 |
| 一瓦之覆 | 4 |
| 一毛不拔 | 4 |
| 一匹夫敌 | 4 |
| 一仍旧贯 | 4 |
| 一以当十 | 4 |
| 一天好事 | 5 |
| 一双两好 | 5 |
| 一气呵成 | 5 |
| 一斗百篇 | 5 |
| 一手一足 | 5 |
| 一手包办 | 5 |
| 一手独拍 | 5 |
| 一手遮天 | 5 |
| 一心一计 | 5 |
| 一心一意 | 5 |
| 一心同功 | 5 |
| 一介之才 | 5 |
| 一介之士 | 5 |
| 一介之夫 | 6 |
| 一介不取 | 6 |
| 一介书生 | 6 |
| 一介野生 | 6 |

|           |   |           |    |
|-----------|---|-----------|----|
| 一孔之见..... | 6 | 一生之愿..... | 9  |
| 一孔不达..... | 6 | 一生所寄..... | 9  |
| 一日之长..... | 6 | 一丝一毫..... | 10 |
| 一日之长..... | 6 | 一丝不苟..... | 10 |
| 一日之胜..... | 6 | 一丝不挂..... | 10 |
| 一日之闻..... | 6 | 一龙一蛇..... | 10 |
| 一日之雅..... | 6 | 一龙一猪..... | 10 |
| 一日九回..... | 6 | 一丘一壑..... | 10 |
| 一日九迁..... | 7 | 一丘之貉..... | 10 |
| 一日千里..... | 7 | 一目十行..... | 10 |
| 一日千杯..... | 7 | 一目了然..... | 11 |
| 一日千觞..... | 7 | 一代之宝..... | 11 |
| 一日万几..... | 7 | 一代文宗..... | 11 |
| 一日万里..... | 7 | 一代文章..... | 11 |
| 一日三秋..... | 7 | 一代文豪..... | 11 |
| 一日必葺..... | 7 | 一代风流..... | 11 |
| 一日而白..... | 7 | 一代风骚..... | 11 |
| 一日百函..... | 7 | 一代宗工..... | 11 |
| 一日并命..... | 8 | 一代宗臣..... | 11 |
| 一夫之用..... | 8 | 一代国色..... | 11 |
| 一夫之勇..... | 8 | 一代英雄..... | 11 |
| 一片丹心..... | 8 | 一代高风..... | 12 |
| 一片冰心..... | 8 | 一代谈宗..... | 12 |
| 一片宫商..... | 8 | 一代楷模..... | 12 |
| 一文如命..... | 8 | 一代豪杰..... | 12 |
| 一方之寄..... | 8 | 一代儒宗..... | 12 |
| 一无可取..... | 8 | 一世之雄..... | 12 |
| 一无所长..... | 8 | 一世龙门..... | 12 |
| 一无所有..... | 8 | 一世师表..... | 12 |
| 一无所知..... | 9 | 一世奇士..... | 12 |
| 一无所能..... | 9 | 一叶知秋..... | 12 |
| 一无是处..... | 9 | 一叶蔽目..... | 12 |
| 一见如旧..... | 9 | 一发千钧..... | 13 |
| 一见如故..... | 9 | 一发双贯..... | 13 |
| 一木难支..... | 9 | 一东一西..... | 13 |
| 一木破天..... | 9 | 一台二妙..... | 13 |
| 一生一代..... | 9 | 一仞之墙..... | 13 |

|           |    |           |    |
|-----------|----|-----------|----|
| 一斥不复..... | 13 | 一行作吏..... | 17 |
| 一瓜共食..... | 13 | 一团和气..... | 17 |
| 一民同俗..... | 13 | 一张一弛..... | 17 |
| 一合一离..... | 13 | 一饮一啄..... | 18 |
| 一帆风顺..... | 13 | 一抔之土..... | 18 |
| 一尘不染..... | 14 | 一技之长..... | 18 |
| 一网打尽..... | 14 | 一饭千金..... | 18 |
| 一阶半级..... | 14 | 一亩之宫..... | 18 |
| 一轨同风..... | 14 | 一针见血..... | 18 |
| 一扫而空..... | 14 | 一佛出世..... | 18 |
| 一场春梦..... | 14 | 一劳永逸..... | 18 |
| 一地胡拿..... | 14 | 一别如雨..... | 18 |
| 一衣带水..... | 14 | 一应俱全..... | 19 |
| 一安难倾..... | 15 | 一串骊珠..... | 19 |
| 一决雌雄..... | 15 | 一言一行..... | 19 |
| 一字一株..... | 15 | 一言九鼎..... | 19 |
| 一字千金..... | 15 | 一言千金..... | 19 |
| 一字百金..... | 15 | 一言之佐..... | 19 |
| 一字之师..... | 15 | 一言之命..... | 19 |
| 一字见心..... | 15 | 一言之计..... | 19 |
| 一字连城..... | 16 | 一言之信..... | 19 |
| 一字褒贬..... | 16 | 一言之荐..... | 19 |
| 一年一度..... | 16 | 一言之誉..... | 19 |
| 一年之计..... | 16 | 一言不再..... | 20 |
| 一年三迁..... | 16 | 一言为定..... | 20 |
| 一年三秀..... | 16 | 一言立信..... | 20 |
| 一年半载..... | 16 | 一言半句..... | 20 |
| 一成一旅..... | 16 | 一言半辞..... | 20 |
| 一成不变..... | 16 | 一言可分..... | 20 |
| 一岁九迁..... | 16 | 一言失旨..... | 20 |
| 一岁三迁..... | 17 | 一言败之..... | 20 |
| 一曲之士..... | 17 | 一言陷人..... | 20 |
| 一曲千金..... | 17 | 一言难尽..... | 20 |
| 一时之权..... | 17 | 一步一鬼..... | 20 |
| 一时之杰..... | 17 | 一步不行..... | 21 |
| 一时之说..... | 17 | 一步登天..... | 21 |
| 一行生理..... | 17 | 一身二任..... | 21 |

|           |    |           |    |
|-----------|----|-----------|----|
| 一身三手..... | 21 | 一定之计..... | 24 |
| 一身五心..... | 21 | 一定之法..... | 24 |
| 一身无累..... | 21 | 一定不易..... | 24 |
| 一身百为..... | 21 | 一定不移..... | 24 |
| 一身两役..... | 21 | 一波三折..... | 25 |
| 一身两头..... | 21 | 一波万波..... | 25 |
| 一身是胆..... | 21 | 一呼三颤..... | 25 |
| 一坐之间..... | 21 | 一呼再诺..... | 25 |
| 一坐之顷..... | 21 | 一呼百诺..... | 25 |
| 一坐之胜..... | 22 | 一往无前..... | 25 |
| 一坐尽倾..... | 22 | 一往情由..... | 25 |
| 一坐尽惊..... | 22 | 一往情深..... | 25 |
| 一芥不取..... | 22 | 一败涂地..... | 25 |
| 一芥可包..... | 22 | 一枕南柯..... | 25 |
| 一质一文..... | 22 | 一枕黄粱..... | 26 |
| 一咏一觞..... | 22 | 一枕黑甜..... | 26 |
| 一林二虎..... | 22 | 一枕槐安..... | 26 |
| 一国三公..... | 22 | 一命而倏..... | 26 |
| 一泻千里..... | 22 | 一草一木..... | 26 |
| 一泻百里..... | 23 | 一贵一贱..... | 26 |
| 一刻千金..... | 23 | 一剑之任..... | 26 |
| 一念之差..... | 23 | 一诺千金..... | 26 |
| 一金之俸..... | 23 | 一误再误..... | 26 |
| 一狐之腋..... | 23 | 一树百获..... | 27 |
| 一事无成..... | 23 | 一哄而散..... | 27 |
| 一物不知..... | 23 | 一挥而就..... | 27 |
| 一卧不起..... | 23 | 一相情愿..... | 27 |
| 一官半职..... | 23 | 一指蔽目..... | 27 |
| 一知半解..... | 23 | 一胜一负..... | 27 |
| 一视同仁..... | 24 | 一胜一败..... | 27 |
| 一枝自足..... | 24 | 一食三叹..... | 27 |
| 一贫如洗..... | 24 | 一食万钱..... | 27 |
| 一鸣惊人..... | 24 | 一面之交..... | 28 |
| 一泓清水..... | 24 | 一面之辞..... | 28 |
| 一雨飘零..... | 24 | 一面如旧..... | 28 |
| 一表人物..... | 24 | 一举千里..... | 28 |
| 一表非凡..... | 24 | 一举三得..... | 23 |

|           |    |              |    |
|-----------|----|--------------|----|
| 一举成名..... | 28 | 一馈十起.....    | 32 |
| 一举两失..... | 28 | 一落千丈.....    | 32 |
| 一举两得..... | 28 | 一遍千言.....    | 32 |
| 一举两获..... | 28 | 一割之利.....    | 32 |
| 一览无余..... | 28 | 一寒如此.....    | 32 |
| 一览便讽..... | 28 | 一鼓作气.....    | 32 |
| 一柱承天..... | 29 | 一琴一鹤.....    | 32 |
| 一柱擎天..... | 29 | 一朝一夕.....    | 32 |
| 一语道破..... | 29 | 一朝之忿.....    | 32 |
| 一缺十求..... | 29 | 一朝之患.....    | 32 |
| 一流人物..... | 29 | 一朝富贵.....    | 33 |
| 一浆十饼..... | 29 | 一路平安.....    | 33 |
| 一倡三叹..... | 29 | 一意孤行.....    | 33 |
| 一倡百和..... | 29 | 一筹莫展.....    | 33 |
| 一壶千金..... | 29 | 一模一样.....    | 33 |
| 一窍不通..... | 29 | 一簞一瓢.....    | 33 |
| 一病两痛..... | 30 | 一德一心.....    | 33 |
| 一息尚存..... | 30 | 一暴十寒.....    | 33 |
| 一顾之价..... | 30 | 一瞑不视.....    | 33 |
| 一顾倾城..... | 30 | 一箭双雕.....    | 33 |
| 一家一计..... | 30 | 一麾出守.....    | 34 |
| 一家之言..... | 30 | 一餐之德.....    | 34 |
| 一家眷属..... | 30 | 一薰一莸.....    | 34 |
| 一笑千金..... | 30 | 一臂之力.....    | 34 |
| 一笑置之..... | 30 | 一瞬千里.....    | 34 |
| 一钱尺帛..... | 30 | 一蹶不振.....    | 34 |
| 一钱不值..... | 30 | 一蹴而就.....    | 34 |
| 一笔勾销..... | 31 | 一夔已足.....    | 34 |
| 一笔抹杀..... | 31 | 一鳞半甲.....    | 34 |
| 一蛇二首..... | 31 | 一日难再晨.....   | 34 |
| 一偏之论..... | 31 | 一肚子鬼胎.....   | 35 |
| 一望无际..... | 31 | 一沐三握发.....   | 35 |
| 一斛凉州..... | 31 | 一步不厮离.....   | 35 |
| 一得之愚..... | 31 | 一言以蔽之.....   | 35 |
| 一掷千金..... | 31 | 一物降一物.....   | 35 |
| 一掷百万..... | 31 | 一瓢尚为烦.....   | 35 |
| 一喷一醒..... | 31 | 一尺水，十丈波..... | 35 |

|            |    |             |    |
|------------|----|-------------|----|
| 一不做，二不休    | 35 | 一人而非，驷马不能追  | 39 |
| 一斗粟，尚可春    | 35 | 一缕之任，系千钧之重  | 39 |
| 一生吃著不尽     | 36 | 一齐人傳之，众楚人咻之 | 40 |
| 一传十，十传百    | 36 | 一舟之覆，无一物而不沉 | 40 |
| 一动不如一静     | 36 |             |    |
| 一而再，再而三    | 36 |             |    |
| 一盲逾十万师     | 36 |             |    |
| 一蟹不如一蟹     | 36 |             |    |
| 一人知俭一家富    | 36 |             |    |
| 一寸山河一寸金    | 36 |             |    |
| 一寸光阴一寸金    | 36 |             |    |
| 一日之计在于晨    | 36 |             |    |
| 一日不见鄙吝生    | 36 |             |    |
| 一手难遮天下目    | 37 |             |    |
| 一节动而百枝摇    | 37 |             |    |
| 一失足成千古恨    | 37 |             |    |
| 一年之计在于春    | 37 |             |    |
| 一花开知天下春    | 37 |             |    |
| 一激之怒炎于火    | 37 |             |    |
| 一人传虚，万人传十  | 37 |             |    |
| 一人治之，十人食之  | 37 |             |    |
| 一人奋死，可以对十  | 37 |             |    |
| 一人善射，百夫决拾  | 38 |             |    |
| 一夫当关，万夫莫开  | 38 |             |    |
| 一夫不耕，或受之饥  | 38 |             |    |
| 一夫出死，千乘不轻  | 38 |             |    |
| 一夫舍死，万夫莫当  | 38 |             |    |
| 一夫荷戟，千人莫当  | 38 |             |    |
| 一日纵敌，数世之患  | 38 |             |    |
| 一则以喜，一则以惧  | 38 |             |    |
| 一波未平，一波又起  | 38 |             |    |
| 一佛出世，二佛升天  | 39 |             |    |
| 一佛出世，二佛涅槃  | 39 |             |    |
| 一言既出，驷马难追  | 39 |             |    |
| 一衲磨肤，不寐至旦  | 39 |             |    |
| 一榻之外皆他人家   | 39 |             |    |
| 一人守险，千人不得上 | 39 |             |    |

## 二 画

### [一]

|       |    |      |    |
|-------|----|------|----|
| 二三其德  | 40 | 二心两意 | 40 |
| 二圣一贤  | 40 | 二龙争珠 | 40 |
| 二缶钟惑  | 40 | 二姓之好 | 40 |
| 二帝三王  | 40 | 二竖为虐 | 40 |
| 二惠竞爽  | 41 | 二碑纪功 | 41 |
| 二桃杀三士 | 41 | 十风五雨 | 41 |
| 十风五雨  | 41 | 十目十手 | 41 |
| 十目十手  | 41 | 十发十中 | 41 |
| 十发十中  | 41 | 十死一生 | 41 |
| 十死一生  | 41 | 十羊九牧 | 41 |
| 十羊九牧  | 41 | 十旬四职 | 42 |
| 十旬四职  | 42 | 十行俱下 | 42 |
| 十行俱下  | 42 | 十年读书 | 42 |
| 十年读书  | 42 | 十年窗下 | 42 |
| 十年窗下  | 42 | 十步之诗 | 42 |
| 十步之诗  | 42 | 十步香草 | 42 |
| 十步香草  | 42 | 十围五攻 | 42 |
| 十围五攻  | 42 | 十荡十决 | 42 |
| 十荡十决  | 42 | 十室九空 | 42 |
| 十室九空  | 42 | 十室之邑 | 43 |
| 十室之邑  | 43 | 十亲九故 | 43 |
| 十亲九故  | 43 | 十战十胜 | 43 |
| 十战十胜  | 43 |      |    |




[一]

|       |    |
|-------|----|
| 二三其德  | 40 |
| 二心两意  | 40 |
| 二圣一贤  | 40 |
| 二龙争珠  | 40 |
| 二缶钟惑  | 40 |
| 二姓之好  | 40 |
| 二帝三王  | 40 |
| 二竖为虐  | 40 |
| 二惠竞爽  | 41 |
| 二碑纪功  | 41 |
| 二桃杀三士 | 41 |
| 十风五雨  | 41 |
| 十目十手  | 41 |
| 十发十中  | 41 |
| 十死一生  | 41 |
| 十羊九牧  | 41 |
| 十旬四职  | 42 |
| 十行俱下  | 42 |
| 十年读书  | 42 |
| 十年窗下  | 42 |
| 十步之诗  | 42 |
| 十步香草  | 42 |
| 十围五攻  | 42 |
| 十荡十决  | 42 |
| 十室九空  | 42 |
| 十室之邑  | 43 |
| 十亲九故  | 43 |
| 十战十胜  | 43 |

|            |    |      |    |
|------------|----|------|----|
| 十面埋伏       | 43 | 八百钱马 | 46 |
| 十恶不赦       | 43 | 八花九裂 | 46 |
| 十拿九稳       | 43 | 八战八克 | 47 |
| 十鼠同穴       | 43 | 八拜之交 | 47 |
| 十年不制衣      | 43 | 八音五色 | 47 |
| 十年磨一剑      | 43 | 八面威风 | 47 |
| 十日一水，五日一石  | 43 | 八面玲珑 | 47 |
| 十年树木，百年树人  | 43 | 八荒之外 | 47 |
| 十步之内，必有芳草  | 44 | 八街九陌 | 47 |
| 丁一卯二       | 44 | 人一己百 | 47 |
| 丁一确二       | 44 | 人人自危 | 47 |
| 丁子有尾       | 44 | 人己一视 | 47 |
| 丁公凿井       | 44 | 人山人海 | 48 |
| 丁是丁，卯是卯    | 44 | 人之水镜 | 48 |
| 七上八下       | 44 | 人之大恶 | 48 |
| 七子八婿       | 44 | 人之常情 | 48 |
| 七手八脚       | 45 | 人马平安 | 48 |
| 七尺之躯       | 45 | 人亡政息 | 48 |
| 七死八活       | 45 | 人亡物在 | 48 |
| 七行俱下       | 45 | 人才辈出 | 48 |
| 七步之才       | 45 | 人中师子 | 48 |
| 七青八黄       | 45 | 人中骐骥 | 48 |
| 七推八阻       | 45 | 人云亦云 | 49 |
| 七零八落       | 45 | 人不厌故 | 49 |
| 七嘴八舌       | 45 | 人心如面 | 49 |
| 七颠八倒       | 45 | 人心所归 | 49 |
| 七年之病，求三年之艾 | 46 | 人心难测 | 49 |
|            |    | 人心惟危 | 49 |
|            |    | 人以群分 | 49 |
|            |    | 人生在勤 | 49 |
|            |    | 人头畜鸣 | 49 |
|            |    | 人仰马翻 | 49 |
|            |    | 人自为战 | 49 |
|            |    | 人各有癖 | 49 |
|            |    | 人尽其才 | 50 |
|            |    | 人多缺少 | 50 |
|            |    | 人多嘴杂 | 50 |

## 〔丨〕

|      |    |
|------|----|
| 卜昼卜夜 | 46 |
|------|----|

## 〔丿〕

|      |    |
|------|----|
| 八斗之才 | 46 |
| 八观六验 | 46 |
| 八字打开 | 46 |
| 八百孤寒 | 46 |
| 八百姻娇 | 46 |

[ 7 ]

|      |    |
|------|----|
| 刀折矢尽 | 57 |
| 刀耕火种 | 57 |
| 刀耕火耨 | 58 |
| 刀痕箭瘢 | 58 |
| 力士捉蝇 | 58 |
| 力不从心 | 58 |
| 力不同科 | 58 |
| 力不胜任 | 58 |
| 力争上游 | 58 |
| 力尽筋疲 | 58 |
| 力挽狂澜 | 58 |
| 力透纸背 | 58 |

## 三 画

## 〔一一〕

|      |    |
|------|----|
| 三刀之梦 | 59 |
| 三十六行 | 59 |
| 三人成虎 | 59 |
| 三三五五 | 59 |
| 三三两两 | 59 |
| 三寸之舌 | 59 |
| 三寸之辖 | 59 |
| 三六九等 | 59 |
| 三心二意 | 59 |
| 三瓦两舍 | 59 |
| 三长两短 | 60 |
| 三尺童蒙 | 60 |
| 三日新妇 | 60 |
| 三分鼎足 | 60 |
| 三头二面 | 60 |
| 三头六臂 | 60 |
| 三平二满 | 60 |
| 三占从二 | 60 |
| 三令五申 | 60 |
| 三冬文史 | 60 |

|              |    |
|--------------|----|
| 三生有幸         | 61 |
| 三旬九食         | 61 |
| 三年之艾         | 61 |
| 三灾八难         | 61 |
| 三纸无驴         | 61 |
| 三言两语         | 61 |
| 三豕金根         | 61 |
| 三豕涉河         | 61 |
| 三豕渡河         | 61 |
| 三姑六婆         | 62 |
| 三命而俯         | 62 |
| 三界之外         | 62 |
| 三茶六饭         | 62 |
| 三牲五鼎         | 62 |
| 三思而行         | 62 |
| 三复斯言         | 62 |
| 三班六房         | 62 |
| 三顾草庐         | 62 |
| 三教九流         | 63 |
| 三蛇九鼠         | 63 |
| 三衅三浴         | 63 |
| 三推六问         | 63 |
| 三朝元老         | 63 |
| 三缄其口         | 63 |
| 三百六十行        | 63 |
| 三寸不烂之舌       | 63 |
| 三月不知肉味       | 64 |
| 三人行必有我师      | 64 |
| 三过其门而不入      | 64 |
| 三折肱，知为良医     | 64 |
| 三十六计，走为上计    | 64 |
| 三十六策，走为上计    | 64 |
| 三十六着，走为上着    | 64 |
| 三日打鱼，两日晒网    | 64 |
| 三坟五典八索九丘     | 64 |
| 三尺之泉，足止三军之渴  | 65 |
| 三军可夺帅，匹夫不可夺志 | 65 |

|       |    |
|-------|----|
| 干云蔽日  | 65 |
| 干名采誉  | 65 |
| 干国之器  | 65 |
| 干城之将  | 65 |
| 干卿何事  | 65 |
| 干戚羽旄  | 65 |
| 干理敏捷  | 65 |
| 于今为烈  | 65 |
| 于得思丧  | 66 |
| 于我如浮云 | 66 |
| 亏心短行  | 66 |
| 亏名损实  | 66 |

## 〔一〕

|             |    |
|-------------|----|
| 工力悉敌        | 66 |
| 工欲善其事，必先利其器 | 66 |
| 土牛木马        | 66 |
| 土牛形骸        | 66 |
| 土龙乌狗        | 66 |
| 土阶茅茨        | 66 |
| 土阶茅屋        | 67 |
| 土扶成墙        | 67 |
| 土积成山        | 67 |
| 土崩瓦解        | 67 |
| 土崩鱼烂        | 67 |
| 土豪劣绅        | 67 |
| 土壤细流        | 67 |
| 土弊则草木不长     | 67 |
| 土饱马腾        | 67 |
| 土衡患多        | 67 |
| 下马威         | 68 |
| 下比有余        | 68 |
| 下气怡色        | 68 |
| 下气怡声        | 68 |
| 下车泣罪        | 68 |
| 下乔入幽        | 68 |
| 下阪走丸        | 68 |

|      |    |
|------|----|
| 下里巴人 | 68 |
| 下笔成章 | 68 |
| 下笔便就 | 68 |
| 下情上通 | 68 |
| 下眼相看 | 69 |

## 〔一〕

|      |    |
|------|----|
| 大刀阔斧 | 69 |
| 大山广川 | 69 |
| 大千世界 | 69 |
| 大义灭亲 | 69 |
| 大义凛然 | 69 |
| 大才槃槃 | 69 |
| 大公无私 | 69 |
| 大车以载 | 69 |
| 大车无輹 | 70 |
| 大毋侵小 | 70 |
| 大书特书 | 70 |
| 大乐必易 | 70 |
| 大功告成 | 70 |
| 大巧若拙 | 70 |
| 大失所望 | 70 |
| 大发雷霆 | 70 |
| 大成之人 | 70 |
| 大同小异 | 70 |
| 大而化之 | 70 |
| 大而无当 | 71 |
| 大杀风景 | 71 |
| 大匠不斲 | 71 |
| 大奸似忠 | 71 |
| 大权旁落 | 71 |
| 大材小用 | 71 |
| 大吹大擂 | 71 |
| 大利不利 | 71 |
| 大言不惭 | 71 |
| 大含细入 | 72 |
| 大声疾呼 | 72 |

|            |    |                 |    |
|------------|----|-----------------|----|
| 大呼小叫.....  | 72 | 大者为栋梁.....      | 75 |
| 大法小廉.....  | 72 | 大鱼吞小鱼.....      | 75 |
| 大庭广众.....  | 72 | 大行不顾细谨.....     | 76 |
| 大放厥辞.....  | 72 | 大巧在所不为.....     | 76 |
| 大泽无空.....  | 72 | 大声不入于里耳.....    | 76 |
| 大信不约.....  | 72 | 大山之高，背而弗见.....  | 76 |
| 大逆不道.....  | 72 | 大乐之成，非取乎一音..... | 76 |
| 大逆无道.....  | 72 | 大树将颠，非一绳所维..... | 76 |
| 大音希声.....  | 72 | 万人一心.....       | 76 |
| 大勇若怯.....  | 73 | 万人异心.....       | 76 |
| 大相迳庭.....  | 73 | 万人空巷.....       | 76 |
| 大恩不谢.....  | 73 | 万万千千.....       | 76 |
| 大海捞针.....  | 73 | 万门千户.....       | 77 |
| 大辘椎轮.....  | 73 | 万马千军.....       | 77 |
| 大惊小怪.....  | 73 | 万马齐喑.....       | 77 |
| 大谋不谋.....  | 73 | 万马奔腾.....       | 77 |
| 大渐弥留.....  | 73 | 万无一失.....       | 77 |
| 大雅之人.....  | 73 | 万无此理.....       | 77 |
| 大智不智.....  | 73 | 万水千山.....       | 77 |
| 大智如愚.....  | 74 | 万户千门.....       | 77 |
| 大惑不解.....  | 74 | 万夫之长.....       | 77 |
| 大喜过望.....  | 74 | 万夫之望.....       | 77 |
| 大厦栋梁.....  | 74 | 万夫不当.....       | 77 |
| 大寒索裘.....  | 74 | 万不失一.....       | 78 |
| 大鼓大吹.....  | 74 | 万不得已.....       | 78 |
| 大慈大悲.....  | 74 | 万世一时.....       | 78 |
| 大谬不然.....  | 74 | 万世之计.....       | 78 |
| 大腹便便.....  | 74 | 万世之业.....       | 78 |
| 大模厮样.....  | 74 | 万世之功.....       | 78 |
| 大器小用.....  | 75 | 万世之后.....       | 78 |
| 大器晚成.....  | 75 | 万世之名.....       | 78 |
| 大璞不完.....  | 75 | 万世之安.....       | 78 |
| 大羹不和.....  | 75 | 万世之利.....       | 78 |
| 大羹玄酒.....  | 75 | 万世之患.....       | 78 |
| 大旱望云霓..... | 75 | 万世不刊.....       | 78 |
| 大事不糊涂..... | 75 | 万世不易.....       | 79 |
|            |    | 万世不拔.....       | 79 |

|           |    |                |    |
|-----------|----|----------------|----|
| 万世公论····· | 79 | 万顷琉璃·····      | 82 |
| 万古千秋····· | 79 | 万选万中·····      | 82 |
| 万古长春····· | 79 | 万草千花·····      | 82 |
| 万古流芳····· | 79 | 万室之邑·····      | 82 |
| 万代不易····· | 79 | 万室之国·····      | 83 |
| 万目皆起····· | 79 | 万钟之藏·····      | 83 |
| 万目睚眦····· | 79 | 万殊一辙·····      | 83 |
| 万目睽睽····· | 79 | 万乘之主·····      | 83 |
| 万死一生····· | 79 | 万乘之君·····      | 83 |
| 万死不辞····· | 80 | 万乘之国·····      | 83 |
| 万死犹轻····· | 80 | 万乘之尊·····      | 83 |
| 万年之日····· | 80 | 万乘公相·····      | 83 |
| 万年之计····· | 80 | 万家生佛·····      | 83 |
| 万年之后····· | 80 | 万紫千红·····      | 83 |
| 万全之计····· | 80 | 万象澄澈·····      | 84 |
| 万全之策····· | 80 | 万筵插架·····      | 84 |
| 万里之任····· | 80 | 万箭攒心·····      | 84 |
| 万里之望····· | 80 | 万壑争流·····      | 84 |
| 万里长征····· | 80 | 万籁俱寂·····      | 84 |
| 万里长城····· | 80 | 万物无全用·····     | 84 |
| 万里同风····· | 80 | 万物不能移·····     | 84 |
| 万里鹏翼····· | 81 | 万里未归人·····     | 84 |
| 万却不复····· | 81 | 万里犹比邻·····     | 84 |
| 万寿无疆····· | 81 | 万变不离其宗·····    | 84 |
| 万折必东····· | 81 | 万物唯人为贵·····    | 84 |
| 万条寒玉····· | 81 | 万钱无下箸处·····    | 85 |
| 万物一府····· | 81 | 万物秋霜能坏色·····   | 85 |
| 万物一马····· | 81 | 万绿丛中一点红·····   | 85 |
| 万物之灵····· | 81 | 万事俱备，只欠东风····· | 85 |
| 万物之宜····· | 81 |                |    |
| 万物之祖····· | 82 |                |    |
| 万物之情····· | 82 |                |    |
| 万物之理····· | 82 |                |    |
| 万物殷富····· | 82 |                |    |
| 万金不换····· | 82 |                |    |
| 万金良药····· | 82 |                |    |
| 万事全休····· | 82 |                |    |

## 〔一フ〕

|           |    |
|-----------|----|
| 与人为善····· | 85 |
| 与人同袍····· | 85 |
| 与古为徒····· | 85 |
| 与世长辞····· | 85 |
| 与世沉浮····· | 85 |
| 与世俯仰····· | 86 |